



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 245]

नई दिल्ली, मंगलवार, अगस्त 22, 1978/श्रावण 31, 1900

No. 245]

NEW DELHI, TUESDAY, AUGUST 22, 1978/SRAVANA 31, 1900

इस भाग में सिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

कम्पनी कार्य विभाग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 21 अगस्त, 1978

सा० सं० नि० 422(अ).—केन्द्रीय सरकार, कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 103 की उपधारा (4ख) के साथ पठित धारा 642 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कम्पनी विधि बोर्ड (न्यायपीठ) नियम, 1975 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:-

1. (1) इन नियमों का नाम कम्पनी विधिबोर्ड (न्यायपीठ) संशोधन नियम, 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. कम्पनी विधि बोर्ड (न्यायपीठ) नियम, 1975 में,-

1) नियम 25 में, "वहाँ वह मामले को न्यायपीठ के समक्ष रखेगा और यथास्थिति आवेदन या अर्जी की सुनवाई की तारीख नियत करने के सम्बन्ध में न्यायपीठ के आदेश अधिग्रहण करेगा।" शब्दों के स्थान पर निम्नलिखित शब्द रखे जाएंगे, अर्थात्:-

"वहाँ वह मामले को,

(क) जहाँ उन पक्षकारों में से, जिन पर सूचनाओं की तामील की जा चुकी है, किसी से कोई आक्षेप प्राप्त नहीं हुए हैं और पक्षकारों ने सुनवाई के लिए निवेदन नहीं किया है, आवेदन या अर्जी को आवेदन के लिए, और

(ख) अन्य सभी मामलों में, आवेदन या अर्जी की सुनवाई की तारीख नियत करने के लिए न्यायपीठ के आदेशार्थ न्यायपीठ के समक्ष रखेगा।"

(2) नियम 26 में, उपनियम (2) के पश्चात् निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात्:-

"(3) ऐसे प्रत्येक अध्यावेदन का स्थापन अध्यावेदन करने वाले व्यक्ति द्वारा शपथ पत्र से किया जाएगा।";

(3) परिशिष्ट 1 के प्ररूप सं० 6 में,-

(क) पैरा 2 के उपपैरा (ii) में पद "*.....में तारीख", के स्थान पर पद ".....में तारीख रखा जाएगा ;

(ख) पैरा 3 में, पद "धारकों की,तक", के स्थान पर पद, "धारकों की, *.....तक," रखा जाएगा।

[फाइल सं० 5/4/78-सी० एल०-V]

ए० नीलकान्तन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY
AFFAIRS

(Departmental of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 21st August, 1978

G.S.R. 422(E).—In exercise of the powers conferred by section 642, read with sub-section (4B) of section 10E, of

the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Company Law Board (Bench) Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Company Law Board (Bench) Amendment Rules, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Company Law Board (Bench) Rules, 1975,—

- (1) in rule 25, for the words “he shall put up the matter to the Bench and obtain the orders of the Bench fixing the date of hearing for the application or petition, as the case may be”, the following words shall be substituted, namely :—

“he shall put up the matter to the Bench,

- (a) where no objections have been received from any of the parties on whom notices have been served and the parties have not requested for a hearing, for orders on the application or petition ; and

- (b) in all other cases, for the orders of the Bench fixing a date for hearing the application or petition.” ;

- (2) in rule 26, after sub-rule (2), the following sub-rule shall be inserted, namely :—

“(3) Every such representation shall be verified by an affidavit by the person making the same.” ;

- (3) in Form No. 6 of Appendix I—

- (a) in sub-para (ii) of para 2, for the expression “in _____, issue dated”, the expression “in _____, issue dated”, shall be substituted ;

- (b) in para 3, for the expression “as on _____ (duly identified)”, the expression “as on* _____ (duly identified)” shall be substituted.

[File No. 5/4/78-CLV]

A. NEELAKANTAN, Joint Secy.